विज्ञापन संख्या: ए2केएस-15011/1/2023-आईआरडी-डीएसआईआर

भारत सरकार
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रसार के लिए ज्ञान तक पहुंच
अध्ययन में सहायता(ए2के+)

प्रस्ताव आमंत्रण

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) अध्ययन में सहायता (ए2के+ अध्ययन) के तहत **सार्वजनिक वित्त पोषित निकायों या विशिष्ट कानूनी इकाई संस्थानों (जीएफआर 2017 के नियम 228 के अनुसार) अनुसंधान और प्रबंधन में उच्च शिक्षा संस्थानों, आर एंड डी संस्थानों, उद्योग संघ, वाणिज्य और उद्योग चैंबर इत्यादि से प्रस्ताव आमंत्रित करता है।**

ए2के+ अध्ययन कार्यक्रम का उद्देश्य अध्ययन में सहायता करना और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विकास और परिणामों,सीखने और परिणामों के व्यापक प्रसार के लिए दस्तावेजीकरण करने में सहायता करना और स्थिति रिपोर्ट का विश्लेषण करना है।इन अध्ययनों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न हितधारकों जैसे उद्योग, उद्योग संघों, शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों, सलाहकारों, उद्यमियों, अनुसंधान छात्रों और नीति निर्माताओं के ज्ञान पर आधारित पूर्णतः संकलित और विश्लेषित सूचना प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम प्रमुख हितधारकों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देते हुए संस्थानों से बाजार तक अनुसंधान परिणाम के साहित्य को उत्प्रेरित करने का प्रयास करता है।

निम्नलिखित विषयों पर अध्ययन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित हैं: (प्रत्येक विषय के विशिष्ट टीओआर और कार्य के क्षेत्र के लिए यहां क्लिक करें)

1. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा संबंधित अध्ययन रिपोर्ट (किफायती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करें)-स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा में नवाचार के लिए सार्वजनिक और निजी पूंजी का अनुसंधान और विकास, सहयोग और एकत्रित करना।
2. महिलाओं और प्रौद्योगिकी संबंधित एक अध्ययन रिपोर्ट: महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एसटीआई निवेश और नीतिगत दूरदर्शिता।
3. भारत की तकनीकी आयात देनदारियों और आयात प्रतिस्थापन संबंधित एस एंड टी हस्तक्षेप के लिए रूपरेखा और कार्यप्रणाली के विकास संबंधित एक अध्ययन रिपोर्ट।
4. भारत में औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और नवाचार परिदृश्य को सुदृढ़ करने के लिए वित्त पोषण तंत्र संबंधित रिपोर्ट।
5. स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट शहर और बुनियादी ढांचे और स्मार्ट गतिशीलता और परिवहन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रौद्योगिकियों के दायरे से संबंधित एक रिपोर्ट।

अध्ययन क्षेत्र:

क. अंतिम रिपोर्ट वर्तमान राष्ट्रीय और वैश्विक परिदृश्य के आधार पर भविष्य के अनुसंधान और व्यावसायीकरण रणनीति के लिए हितधारकों के लिए एक समाधान होनी चाहिए।

ख. रिपोर्ट में मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र और बुनियादी ढांचे की विस्तृत समीक्षा शामिल होनी चाहिए।

ग. रिपोर्ट में राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप भविष्य की संभावनाओं, संभावित समाधानों, नीति सिफारिशों और नियमों से संबंधित विश्वसनीय संदर्भों के आधार पर विस्तृत विचार -विमर्श और विश्लेषण शामिल होना चाहिए।

घ. अध्ययन के एक भाग के रूप में विभिन्न उद्योग, सरकारी विभागों, उद्योग संघों और अन्य प्रासंगिक स्रोतों के पास उपलब्ध डेटा एकत्र किया जाएगा और उचित अस्वीकृति विज्ञापन अनुमोदन के साथ समीक्षा की जाएगी।

ड़. हितधारक परामर्श आयोजित करें और खंडवार प्रमुख संयंत्रों के साथ आमने-सामने या प्रश्नावली आधारित विचार-विमर्श करें।

पात्रता:- पात्रता और अन्य नियम व शर्तों के लिए डीएसआईआर दिशानिर्देश देखें (यहां क्लिक करें)

अध्ययन की अवधि: **1** वर्ष तक

आवेदन जमा करना: निर्धारित आवेदन प्रपत्र वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है: आवेदक को अपना आवेदन सर्विस प्लस पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करना चाहिए। प्रस्ताव प्रस्तुत करने में रुचि रखने वालों को इस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा और प्रस्ताव को ऑनलाइन + एक सॉफ्ट कॉपी [एमएस वर्ड फ़ाइल और पीडीएफ फाइल नहीं] ई-मेल के माध्यम से डॉ. सुजाता चकलानोबिस, वैज्ञानिक "जी" और प्रमुख (ए2के+) के ईमेल; **pria@nic.in** पर जमा करना होगा।

किसी भी प्रकार के लिए पूछ-ताछ के लिए कृपया यहाँ संपर्क करें:

डॉ. वंदना कालिया,

वैज्ञानिक 'एफ',

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग,

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016

ईमेल:**Vandana.Kalia@nic.in, फ़ोन: 011-26590404**

प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि: 20/10/2023